प्रयत्न किया है कि इस देश में जितने हिल स्टेशन्स हैं उनकी सूची तैयार की जाय, और क्या इस की कोई परिभाषा निश्चित की गई है कि किस प्रकार के स्थान को हिल स्टेशन माना जाये ?

श्री एस० एन० मिश्र : जी नहीं इस प्रकार का कोई प्रयास नहीं हुआ है ।

श्री भक्त दर्शन : क्या गवर्नमेंट के ध्यान में यह बात आई है कि बड़े प्रसिद्ध हिल स्टेशन्स जैसे नैनीताल, मसूरी, शिमला, दार्जीलिंग आदि के अलावा और भी हिल स्टेशन्स हैं जिनका विकास करने की आवश्यकता है और क्या इस ओर ध्यान दिया जा रहा है ?

श्री एस० एन० मिश्र : जी हां, यह बिल्कुल सही है कि इन के अलावा भी कई हिल स्टेशन हैं ।

Shrimati Sushama Sen: May I know whether Government are aware that the Simla hill station has lately been very sadly neglected? Is there any plan to restore its popularity?

Shri S. N. Mishra: I do not have any scheme for attracting more people to Simla at the moment. I do not have even that imformation that Simla is getting unpopular.

Shri C. D. Pande: Are Government aware that since there has been a great deal encouragement to tourist traffic to Kashmir, most of the hill stations in other parts are suffering?

The Minister of Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna): Including Naini Tal.

Shri S. N. Mishra: No, Sir. The Planning Commission has no information about that.

Evacuee Agricultural Lands

*1173. **Dr. Satyawadi:** Will the Minister of **Rehabilitation** be pleased to state the progress so far made towards conferring the ownership rights in respect of the Evacuee Rural Agricultural Lands and houses to the allottees in the States of Punjab and P.E.P.S.U.?

The Minister of Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna): The requisite staff has been appointed in the Punjab and P.E.P.S.U. and the work has just been started by the two state Governments.

डा० सत्यवादी : इस काम के मुकम्मल होने में कितना अर्सा लगेगा ?

श्री महर चन्द खन्ना : कोई चार, पांच लाख शरणार्थियों को यह जमीन बांटनी है । अभी आज ही तो काम शुरू हुआ है इस लिये वक्त तो लगेगा ही ।

डा० सत्यवादी : क्या कुछ ऐसी जमीन पंजाब और पेप्सू में पड़ी हैं जो अभी तक ऐलाट नहीं की गई हैं ?

श्री महर चन्द खन्ना : कुछ न कुछ अब हमारी नजर में आ रही हैं । बहुत सी जमीन जो पंजाब और पेप्सू में थी, वह चार पांच बरस पहले ही ऐलाट हो चुकी है ।

डा० सत्यवादी : क्या कुछ ऐसे भी शरणार्थी हैं जिन्हें जमीनें आज तक ऐलाट नहीं हुई हैं, हालांकि वह जमीनें छोड़ कर यहां आये हैं ?

श्री महर चन्द खन्ना: जहां तक पंजाब और पेप्सू का ताल्लुक है और उन भाइयों का ताल्लुक है जो पंजाबी हैं या पंजाबी नस्ल के हैं, उन में से तकरीबन हर एक को जमीन ऐलाट हो चुकी है, और अगर आप का इशारा सिन्ध, बिलोचिस्तान, भावलपुर और सूबा सरहद के भाइयों से है तो मुझे हां में कहना पड़ेगा । उन में अभी बड़ी भारी तादाद ऐसी है जिन को अभी जमीनें ऐलाट नहीं हुई हैं ।

Kashmir

*1175. **Shri Bogawat :** Will the **Prime Minister** be pleased to state whether any date has been fixed for the next meeting of the Prime Ministers of India and Pakistan for discussing the Kashmir issue?

The Parliamentary Secretary to the Minister of External Affairs (Shri Sadath Ali Khan): No date has been fixed for the next meeting.